भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 2062

गुरूवार, 8 अगस्त, 2024/17 श्रावण, 1946 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

तमिलनाडु में स्वदेश दर्शन योजना का कार्यान्वयन

2062 श्री आर. धरमार:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) स्वदेश दर्शन योजना की क्या विशेषताएं हैं;

(ख) पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान तमिलनाडु में इस योजना के तहत स्वीकृत, आवंटित और उपयोग की गई धनराशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) तमिलनाडु में इस योजना के तहत अब तक पहचान किए गए पर्यटक सर्किटों का ब्यौरा क्या है;

(घ) इसके लक्ष्य और उद्देश्यों सहित निर्धारित लक्ष्यों और अब तक प्राप्त उपलब्धियों का ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार देश भर में इस योजना के तहत कुछ और सर्किटों की पहचान करने की योजना बना रही है; और

(च) यदि हां, तो तमिलनाडु सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (च): पर्यटन मंत्रालय ने वर्ष 2014-15 में अपनी स्वदेश दर्शन योजना की शुरूआत की थी जिसका लक्ष्य राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान कर देश में थीमेटिक परिपथों को विकसित करना है। उक्त सहायता, पर्यटन अवसंरचना विकास के प्रयासों को संपूरित करने के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के परामर्श से प्रदान की जाती है। तदनुसार तमिलनाडु राज्य में तटीय थीम के अंतर्गत एक परियोजना को स्वीकृति दी गई थी जो भौतिक रूप से पूरी हो चुकी है और जिसका विवरण निम्नानुसार हैः

(राशि करोड़ रु. में)

परिपथ / स्वीकृति वर्ष	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई / प्राधिकृत राशि**	**उपयोग की गई राशि**
तटीय परिपथ 2016-17	(चेन्नई - मामल्लपुरम - रामेश्वरम - मानपाडु - कन्याकुमारी) का विकास	73.13	71.03	71.03

पर्यटन मंत्रालय ने देश में स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यों के विकास के उद्देश्य से हाल ही में स्वदेश दर्शन योजना को स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) का नया रूप दिया है। इस योजना के तहत पर्यटन मंत्रालय ने तमिलनाडु में 'मामल्लपुरम' और 'नीलगिरि' को विकास के लिए गंतव्य के रूप में चुना है और तमिलनाडु में मामल्लपुरम में 'शोर टेंपल में इमर्सिव एक्सपीरियंस' के विकास के लिए 30.02 करोड़ रु. स्वीकृत किए हैं।

पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन 2.0 की 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास' नामक एक उप-योजना संबंधी दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इस उप-योजना का लक्ष्य पर्यटक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए गंतव्य का समग्र विकास करना है। पर्यटन मंत्रालय ने तमिलनाडु में 'तंजावुर' और 'रामेश्वरम द्वीप' सहित देश में 42 गंतव्यों को सीबीडीडी के तहत चिह्नित किया है।

*****